

स्वरेणु स्त्री. (तत्.) सूर्य की पत्नी 'संज्ञा' का एक नाम।

स्वरैक्य पुं. (तत्.) 1. स्वरों की एकरूपता, एक स्वरता 2. तादात्म्य, सामंजस्य।

स्वरोचिस् पुं. (तत्.) पुराणानुसार स्वरोचिष् मनु के पिता, जो वरूथिनी नाम की अप्सरा के गर्भ से उत्पन्न और कलि नामक गंधर्व के पुत्र थे।

स्वरोद पुं. (तत्.) एक प्रकार का वाद्य यंत्र, सरोद।

स्वरोदय पुं. (तत्.) 1. वह प्रसिद्ध शास्त्र जिसमें इड़ा, पिंगला, सुषुम्ना आदि नाडियों से निकले श्वास के आधार पर सभी प्रकार के शुभाशुभ फलों के जानने का वर्णन है 2. वह विद्या जिसमें नाक के बाएँ और दाएँ नथुनों से निकलते हुए श्वासों के आधार पर शुभ और अशुभ फलों का ज्ञान होता है।

स्वर्गगा स्त्री. (तत्.) आकाश गंगा, मंदाकिनी।

स्वर्ग पुं. (तत्.) हिंदू शास्त्रों के अनुसार तीन प्रसिद्ध लोकों (स्वर्ग, मृत्यु, पाताल) में से प्रथम, अथवा ऊपर के सात लोकों में से तीसरा लोक, यह देवताओं का निवास माना गया है, यह भी मान्य तथ्य है कि सत्कर्मों, पुण्यात्मा, योगीजन इस लोक में मृत्यु के पश्चात् इसी लोक में निवास करते हैं, देवलोक, इंद्रलोक।

स्वर्गकाम वि. (तत्.) सत्कर्मों या दान-तप आदि करते हुए स्वर्ग की कामना करने वाला, मृत्यु पश्चात् स्वर्ग प्राप्ति का इच्छा वाला।

स्वर्गगत वि. (तत्.) 1. मृत्यु के पश्चात् स्वर्ग गया हुआ 2. जो मृत्यु को प्राप्त हुआ हो।

स्वर्गगति स्त्री. (तत्.) 1. स्वर्ग जाना 2. मृत्यु होना।

स्वर्गगमन पुं. (तत्.) स्वर्ग सिधारना, मरण।

स्वर्गगामी वि. (तत्.) 1. स्वर्ग को गमन करने वाला 2. मृत्यु को प्राप्त होने वाला।

स्वर्गगिरि पुं. (तत्.) स्वर्णगिरि, सुमेरु पर्वत।

स्वर्गतरंगिनी स्त्री. (तत्.) 1. स्वर्ग की नदी 2. आकाश गंगा 3. मंदाकिनी।

स्वर्गतरु पुं. (तत्.) 1. कल्पतरु 2. पारिजात।

स्वर्गति स्त्री. (तत्.) 1. स्वर्ग जाने की स्थिति, स्वर्ग-गमन।

स्वर्गद वि. (तत्.) स्वर्ग देने वाला, स्वर्ग में पहुँचाने वाला।

स्वर्गदायक वि. (तत्.) स्वर्ग जैसे सुख देने वाला, स्वर्गद।

स्वर्गधाम पुं. (तत्.) स्वर्गलोक।

स्वर्गधेनु स्त्री. (तत्.) स्वर्ग की गाय, कामधेनु।

स्वर्गनदी स्त्री. (तत्.) आकाश-गंगा, मंदाकिनी।

स्वर्गपताली पुं. (तत्.) ऐसा वृषभ-बैल जिसका एक सींग सीधा ऊपर की ओर उठा हुआ और दूसरा सींग ठीक सीधे नीचे की ओर झुका हुआ हो।

स्वर्गपति पुं. (तत्.) स्वर्ग के स्वामी, इंद्र।

स्वर्गपुरी स्त्री. (तत्.) 1. अमरावती 2. इंद्र की नगरी।

स्वर्गभूमि स्त्री. (तत्.) 1. स्वर्ग जैसी सुखदायक जगह, स्थान 2. एक प्राचीन जनपद जो वाराणसी से पश्चिम दिशा में स्थित था।

स्वर्गमंदाकिनी स्त्री. (तत्.) 1. स्वर्गगा, आकाशगंगा।

स्वर्गयोनि स्त्री. (तत्.) तप, यज्ञ आदि वे सत्कर्म या पुण्य कर्म जिनके कारण मनुष्य को स्वर्ग की प्राप्ति होती है।

स्वर्गलाभ पुं. (तत्.) स्वर्ग की प्राप्ति, जो सत्कर्मों के पुण्य से होती है।

स्वर्गलोक पुं. (तत्.) ऊपर सूर्यलोक से ध्रुव लोक तक फैला हुआ ईश्वर एवं इन्द्र आदि देवताओं का स्थान।

स्वर्गलोकेश पुं. (तत्.) 1. स्वर्गलोक के स्वामी, इंद्र 2. शरीर, तन।

स्वर्गवधु स्त्री. (तत्.) स्वर्ग की अप्सरा, देवांगना।